16 June Panel discussion held at ICFAI University on Career Opportunities in Digital Marketing

04 खबर मन्त्र रांची, गुरुवार 17.06.2021 रांची सिटी

डिजिटल मार्केटिंग में कॅरियर के अवसर पर इक्फाई में पैनल चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग मोड में डिजिटल मार्केटिंग में कॅरियर के अवसर पर बुधवार को इक्फाई विश्वविद्यालय में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। विवि के कुलपति प्रोफेसर ओआर एसराव ने कहा कि सभी व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों रूप से एक डिजिटल दुनिया में तेजी से जी रहे हैं। कोविड-19 ने इस प्रवृत्ति को गति दी और जो कोविड के बाद भी बनी रहेगी। पेशेवर रूप से विकसित होने के लिए यह आवश्यक है कि सभी छात्रों के साथ-साथ काम करने वाले पेशेवरों को डिजिटल कौशल हासिल करना चाहिए। डिजिटल मार्केटिंग विभिन्न क्षेत्रों में कॅरियर के विशाल अवसर पैदा कर रहा है, जिसका उपयोग केवल आवश्यक डिजिटल कौशल वाले लोग ही कर सकते हैं। प्रो राव ने कहा कि इसे देखते हुए हमारे विश्वविद्यालय ने बीबीए, बी कॉम, बीसीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में डिजिटल मार्केटिंग को शामिल किया गया है।

डिजिटल मार्केटिंग लैंडस्केप के विभिन्न पहलुओं की व्याख्या करते हुए, डॉ ऋषि द्वेसर ने बताया कि कैसे डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां, फैसिलिटेटर प्रकाशक और विज्ञापन कंपनियां सामग्री निर्माण, सामग्री विपणन, अभियान, रणनीति, परामर्श आदि जैसे क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की एक श्रृंखला पैदा कर रही हैं। जॉयदीप मुखर्जी ने कहा कि डिजिटल विज्ञापन 2020 में 20,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 तक 54000 करोड़ रुपये हो जायेगा। प्रमुख जॉब साइट के अनुसार डिजिटल मार्केटिंग में अब तक लगभग 1.46 लाख जॉब ओपनिंग उपलब्ध हैं। अगले 2-3 सालों में जॉब मार्केट में सोशल मीडिया मार्केटिंग और मोबाइल मार्केटिंग का दबदबा रहेगा। अगले 2 वर्षों में 8.60 लाख नौकरियों के उद्घाटन के साथ डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ अगले 2 वर्षों में शीर्ष 10 नौकरियों में शामिल होंगे। वेतन स्तरों का उल्लेख करते हुए श्रीमती मुखर्जी ने कहा कि सामग्री लेखकों के लिए औसत वार्षिक वेतन 3.5 लाख रुपये से लेकर डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधकों के लिए 6-10 लाख रुपये तक है। डॉ द्वेसर ने उन्हें उनकी शैक्षिक योग्यता और योग्यता के आधार पर डिजिटल मार्केटिंग में भूमिकाओं के प्रकार का चयन करने की सलाह दी। श्रीमती मुखर्जी ने कहा कि महिलाएं भी डिजिटल मार्केटिंग कॅरियर अपना सकती हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बढ़ा है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइबीएस हैदराबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ऋषि द्वेसर ने कहा है कि डिजिटल मार्केटिंग का जिस तरह विस्तार हो रहा है, इसमें करियर का भी दायरा बढ़ा है. अब एजेंसियां, फैसिलिटेटर (जैसे गूगल और हबस्पॉट), प्रकाशक (जैसे फेसबुक और यू ट्यूब) और विज्ञापन कंपनियां सामग्री निर्माण, बाजार,अभियान, रणनीति, परामर्श आदि क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की एक शृंखला पैदा कर रही हैं. इसे युवा अपने कौशल के साथ अपना सकते हैं. डॉ ऋषि बुधवार को

इक्फाइ विवि में डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसर विषय पर विडियो कांफ्रेंसिंग में आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे. विजन आरएक्स लैब के सीएफओ जॉयदीप मुखर्जी ने कहा कि डिजिटल विज्ञापन 2020 में 20,000 करोड़ रुपये से बढ़कर

इक्फाइ विश्वविद्यालय में परिचर्चा का आयोजन

- दो-तीन साल में जॉब मार्केट में सोशल मीडिया मार्केटिंग और मोबाइल मार्केटिंग का दबदबा रहेगा : मुखर्जी

2024 तक 54000 करोड़ रुपये हो जायेगा. प्रमुख जॉब साइट के अनुसार डिजिटल मार्केटिंग में अब तक लगभग 01.46 लाख जॉब ओपनिंग उपलब्ध हैं. अगले दो-तीन वर्षों में जॉब मार्केट में सोशल मीडिया मार्केटिंग और मोबाइल मार्केटिंग का दबदबा रहेगा. उन्होंने कहा कि महिलाएं भी डिजिटल मार्केटिंग करियर अपना सकती हैं. विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि हम सभी एक डिजिटल दुनिया में तेजी से जी रहे हैं. अब यह आवश्यक है कि सभी छात्रों के साथ-साथ काम करने वाले पेशेवरों को डिजिटल कौशल हासिल करना चाहिए. समय की मांग को देखते हुए ही विवि ने बीबीए, बी कॉम, बीसीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में डिजिटल मार्केटिंग को शामिल किया है. विवि के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुदीप्त मजूमदार ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

प्रभात खबर Thu, 17 June 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/61196201

डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसरों पर इक्फाई विवि में पैनल चर्चा आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग मोड में डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसर पर इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनलिस्ट में डॉ. ऋषि द्वेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईबीएस हैदराबाद, आईएफएचई और श्री जॉयदीप मुखर्जी, सीएफओ, विजन आरएक्स लैब, विश्व प्रसिद्ध फ्रेंच मल्टी-नेशनल, एस्सिलोर लक्सोटिका ग्रुप की सहायक कंपनी ले थे तथा प्रोफेसर ओआरएस राव, विश्वविद्यालय के कुलपति पैनल चर्चा के मॉडरेटर थे। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, 'अब, हम सभी व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों रूप से एक डिजिटल

दुनिया में तेजी से जी रहे हैं। कोविद-19 ने इस प्रवृत्ति को गति दी और जो कोविद के बाद भी बनी रहेगी। पेशेवर रूप से विकसित होने के लिए, यह आवशयक है कि सभी छात्रों के साथ-साथ काम करने वाले पेशेवरों को डिजिटल कौशल हासिल करना चाहिए। ''डिजिटल मार्केटिंग विभिन्न क्षेत्रों में करियर के विशाल अवसर पैदा कर रहा है, जिसका उपयोग केवल आवशयक डिजिटल कौशल वाले लोग ही कर सकते हैं। प्रो राव ने कहा की इसे देखते हुए, हमारे विश्वविद्यालय ने हमारे बीबीए, बी कॉम, बीसीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में डिजिटल मार्केटिंग को शामिल किया गया है। डिजिटल मार्केटिंग लैंडस्केप के विभिन्न पहलुओं की व्याख्या करते हुए, डॉ ऋषि द्वेसर ने विस्तार से बताया कि कैसे डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां, फैसिलिटेटर (जैसे गूगल और हबस्पॉट), प्रकाशक (जैसे फेसबुक और यू ट्यूब) और विज्ञापन कंपनियां सामग्री निर्माण, सामग्री विपणन, अभियान, रणनीति, परामर्श आदि जैसे क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की एक श्रृंखला पैदा कर रही हैं। कंपनियों द्वारा डिजिटल मार्केटिंग खर्च में वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए, श्री जॉयदीप मुखर्जी ने कहा, ''डिजिटल विज्ञापन 2020 में 20,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 तक 54000 करोड़ रुपये हो जाएगा। प्रमुख जॉब साइट के अनुसार डिजिटल मार्केटिंग में अब तक लगभग 1.46 लाख जॉब ओपनिंग उपलब्ध हैं। अगले 2-3 सालों में जॉब मार्केट में सोशल मीडिया मार्केटिंग और मोबाइल मार्केटिंग का दबदबा रहेगा। अगले 2 वर्षों में 8.60 लाख नौकरियों के उद्घाटन के साथ डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ अगले 2 वर्षों में शीर्ष 10 नौकरियों में शामिल होंगे। वेतन स्तरों का उल्लेख करते हुए, श्रीमती मुखर्जी ने कहा, ₹सामग्री लेखकों के लिए औसत वार्षिक वेतन 3.5 लाख रुपये से लेकर डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधकों के लिए 6-10 लाख रुपये तक है। प्रतिभागियों के सवालों का जवाब देते हुए, डॉ द्वेसर ने उन्हें उनकी शैक्षिक योग्यता और योग्यता के आधार पर डिजिटल मार्केटिंग में भूमिकाओं के प्रकार का चयन करने की सलाह दी। रचनात्मक कौशल वाले लोग सामग्री निर्माण भूमिकाओं का चयन कर सकते हैं जबकि विश्लेषणात्मक और आईटी कौशल वाले लोग खोज इंजन अनुकूलन और खोज इंजन विपणन भूमिकाओं का विकल्प चुन सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसरों पर इक्फाई विवि में पैनल चर्चा

संवाददाता

रांची : वीडियो-कांफ्रेंसिंग मोड में डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसर पर इक्फाई विश्वविद्यालय में पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनलिस्ट में आईबीएस हैदराबाद एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ऋषि ट्रेसर, आईएफएचई और जॉयदीप मुखर्जी, सीएफओ विजन आरएक्स लैब, विश्व प्रसिद्ध फ्रेंच मल्टी-नेशनल, एस्सिलोर लक्सोटिका ग्रुप की सहायक कंपनी थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव पैनल चर्चा के मॉडरेटर थे। कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, अब, हम सभी व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों रूप से एक डिजिटल दुनिया में तेजी से

जी रहे हैं। कोविद-19 ने इस प्रवृत्ति को गति दी और जो कोविड के बाद भी बनी रहेगी। पेशेवर रूप से विकसित होने के लिए, यह आवश्यक है कि सभी छात्रों के साथ-साथ काम करने वाले पेशेवरों को डिजिटल कौशल हासिल करना चाहिए। डिजिटल मार्केटिंग विभिन्न क्षेत्रों में करियर के विशाल अवसर पैदा कर रहा है। जिसका उपयोग केवल आवश्यक डिजिटल कौशल वाले लोग ही कर सकते हैं। प्रो राव ने कहा कि इसे देखते हुए, हमारे विश्वविद्यालय ने हमारे बीबीए, बी कॉम, बीसीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में डिजिटल मार्केटिंग को शामिल किया गया है। डॉ ऋषि ट्रेसर ने विस्तार से बताया कि कैसे डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां, फैसिलिटेटर (जैसे गूगल और हबस्पॉट), प्रकाशक (जैसे फेसबुक और यू ट्यूब) और विज्ञापन कंपनियां सामग्री निर्माण, सामग्री विपणन, अभियान, रणनीति, परामर्श आदि जैसे क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की एक श्रृंखला पैदा कर रही है। जॉयदीप मुखर्जी ने कहा, डिजिटल विज्ञापन 2020 में 20,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 तक 54000 करोड़ रुपये हो जायेगा। प्रमुख जॉब साइट के अनुसार डिजिटल मार्केटिंग में अब तक करीब 1.46 लाख जॉब ओपनिंग उपलब्ध है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुदीप्त मजूमदार ने किया।